महाराज महेश ठाकुर मिथिला महाविद्यालय

दरभंगा

College E-mail : mmtmcollege@gmail.com

College Website : mmtmcollege.ac.in

(ल० ना० मि० विश्वविद्यालय की सम्बद्ध इकाई)

पत्रांक .... दिनांक 03/09/22

आज दिनांक 03 सितम्बर 2022 को महाराज महेश ठाकुर मिथिला महाविद्यालय, दरभंगा के सभागार में दिन के 11:00 बजे से मैथिली विभाग के तत्वावधान में एक संगोष्ठी आयोजित की गयी। इस संगोष्ठी की अध्यक्षता प्रो० धीरेन्द्र नाथ मिश्र ने की। उद्घाटन प्रो० भीमनाथ ने किया।

03/09/2022

प्रधानाचार्य

लनामिवि. बाल विवाह एक सामाजिक अभिशाप पर सेमिनार

बाल विवाह प्रथा की जड़ें वहां ज्यादा मजबूत, जहां अशिक्षा

- अपरिपक्व उम्र में शादी से संतान व माता पर संकट : कुलपति

प्रतिनिधि ▷ दरभंगा

लनामिवि के कुलपति प्रो. सुरेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि बाल विवाह समाज के लिए किसी भी मायने में हितकारी नहीं है. अपरिपक्व उम्र में शादी से होने वाले संतानों तथा माता पर संकट बना रहता है. वे शुक्रवार को महाराज महेश ठाकुर मिथिला महाविद्यालय में समाजशास्त्र विभाग की ओर से बाल विवाह एक सामाजिक अभिशाप विषय पर आयोजित सेमिनार में बतौर उद्घाटनकर्ता बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि बाल विवाह की जड़ें वहीं ज्यादा मजबूत है, जहां अशिक्षा है. इससे निपटने के लिए वैसे जगहों पर शिक्षा का प्रचार प्रसार बढ़ाने के साथ समाज के उन लोगों में बाल विवाह रोकने के लिए जागरुकता पैदा करना होगा.

सामाजिक स्तर पर जागरुकता जरूरी

कुलपति ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार के स्तर से कानूनी तौर पर सार्थक कदम उठाया जा रहा है. अब केवल सामाजिक स्तर पर जागरुकता आवश्यक है. पीजी समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो विनोद कुमार चौधरी ने कहा कि बाल विवाह जैसी कुरीतियों के खिलाफ समाजशास्त्रियों को मुहिम चलाने की जरुरत है.

एमएमटीएम कॉलेज में कार्यक्रम का दीप जलाकर उद्घाटन कर रहे कुलपति प्रो. सुरेंद्र कुमार सिंह, कुलसचिव मुस्तफा कमाल अंसारी एवं अन्य.

वेबसाइट पर उत्तर पुस्तिका डालने की मांग

दरभंगा. ऑल इंडिया स्टूडेंट्स फेडरेशन के जिला संयोजक राहुल राज ने शुक्रवार को लनामिवि के कुलपति को उत्तर पुस्तिका के मूल्यांकन में हो रही गड़बड़ी के संबंध में ज्ञापन सौंपा है. उन्होंने कहा है कि उत्तर पुस्तिका के मूल्यांकन में भारी अनियमितता बरती जा रही है, जिसका खामियाजा छात्रों को भुगतना पड़ रहा है, उन्होंने छात्रों की उत्तर पुस्तिका वेबसाइट पर डालने की मांग की है.

बाल विवाह वैज्ञानिक दृष्टिकोण से अभिशाप : कुलसचिव

कुलसचिव मुस्तफा कमाल अंसारी ने सेमिनार की अध्यक्षता करते हुए कहा कि बाल विवाह वैज्ञानिक दृष्टिकोण से अभिशाप है. इससे बच्चा और माता दोनों पर संकट रहता है. उन्होंने कहा कि इस तरह के सेमिनार के आयोजन से समाज में जागरुकता पैदा होती है. इसका लाभ निश्चित रुप से समाज को मिलेगा. इससे पूर्व कॉलेज के शासी निकाय के सचिव डॉ बैद्यनाथ चौधरी ने परंपरानुसार अतिथियों को सम्मानित व उद्घाटन सत्र का संचालन किया. धन्यवाद ज्ञापन प्रधानाचार्य डॉ उदय कांत मिश्र ने किया.

बाल विवाह की जड़ में पितृसत्तात्मक सत्ता : प्रो. झा

तकनीकी सत्र की अध्यक्षता करते हुए सीएम कॉलेज के प्रो. विश्वनाथ झा ने कहा कि बाल विवाह के जड़ में पितृसत्तात्मक सत्ता है. इस जहर का बीजारोपण भ्रूण हत्या से आरंभ होता है. प्रबंधन एवं सूचना तकनीकी की सहायता से बाल विवाह को सहजता से रोका जा सकता है. बाल विवाह खत्म करने के लिए विवाह का पंजीकरण अनिवार्य करना चाहिए. पंजीकरण के समय दुल्हा एवं दुल्हन दोनों का आधार कार्ड तथा मतदाता पहचान पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य किया जाए. तकनीकी सत्र मे अतिथियों का स्वागत विभागाध्यक्ष डॉ परमानंद झा ने किया.

बाल विवाह वर्तमान के साथ आने वाली पीढ़ी पर डालता नकारात्मक प्रभाव : प्रो. सिंह

मुख्य वक्ता वह पीजी समाजशास्त्र विभाग के प्रो. गोपी रमण प्रसाद सिंह ने कहा कि उचित शिक्षा के माध्यम से ही बाल विवाह को रोका जा सकता है. उन्होंने बाल विवाह को सामाजिक समस्या बताते हुए पांच संदर्भों की चर्चा की. इसमें बाल विवाह की अवधारणा, इसके कारण, दुष्परिणाम, अभिशाप तथा निदान के उपाय का जिक्र किया. कहा कि बाल विवाह वर्तमान समाज के साथ-साथ आने वाली पीढ़ी पर भी नकारात्मक प्रभाव डालता है. स्वस्थ जनमत तैयार करने के लिए दहेज मुक्ति मुहिम छेड़ना होगा. डॉ प्रभात चौधरी ने कहा कि ने कहा कि सामाजिक संगोष्ठी के माध्यम से इस कुरीति को दूर किया जा सकता है. पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ नागेंद्र कुमार ने कहा कि इस कुरीति से निपटने के लिए महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण होगी. डॉ विनय कुमार चौधरी ने कहा कि सामाजिक कुरीति में बाल विवाह विचारनीय समस्या है. समाजशास्त्रि को इसके निदान के लिए अगली पंक्ति में खड़ा होना होगा. मौके पर सीनेट सदस्य डॉ राम शुभग चौधरी के अलावा डॉ राज किशोर झा, डॉ हरे राम झा, प्रो. श्यामा कुमारी, प्रो. भारती कुमारी आदि ने आलेख प्रस्तुत किया. कार्यक्रम में प्रो. आशुतोष झा, प्रो. राम नरेश चौधरी, हरि किशोर चौधरी, प्रो. चंद्रशेखर झा बुढा भाई, प्रो. टुनटुन प्रसाद राय आदि मौजूद थे..

कार्यक्रम | एमएमटीएम कॉलेज में सेमिनार में सामाजिक कुरीतियों को दूर करने पर हुई चर्चा

समाज के लिए कोढ़ है बाल विवाह : वीसी

एजुकेशन रिपोर्टर | दरभंगा

स्थानीय एमएमटीएम कॉलेज में समाजशास्त्र विभाग की ओर से शुक्रवार को सेमिनार का आयोजन हुआ। बाल विवाह : एक सामाजिक अभिशाप विषय पर आयोजित सेमिनार का उद्घाटन मिथिला विवि के कुलपति प्रो. सुरेन्द्र कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. सिंह ने कहा कि बाल विवाह हमारे समाज के लिए कोढ़ है। हम सबों का यह कर्तव्य है कि समाज में जागरूकता फैला कर इसे समूल नष्ट कर सकें। मिथिला विवि के पीजी समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार चौधरी ने कहा कि समाजशास्त्रियों को बाल विवाह जैसी कुरीतियों के खिलाफ अभियान चलाना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विवि के कुलसचिव मुस्तफा कमाल अंसारी ने कहा कि बिना परिपक्वता के शादी करना अपराध है। इसे रोकने के लिए हमें आगे आना होगा।

बेहतर शिक्षा से हो सकता निदान

तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो. विश्वनाथ झा ने की। इस सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. गोपी रमण प्रसाद सिंह ने कहा कि बाल विवाह एक ज्वलंत समस्या है। इस समस्या का केन्द्र बिंदु मानव है। उन्होंने कहा कि उचित शिक्षा के माध्यम से बाल विवाह को रोका जा सकता है। प्रो. नागेन्द्र कुमार ने कहा कि यदि महिलाएं ठान लें तो इस समस्या का समाधान किया जा सकता है। डॉ. प्रभात चौधरी ने कहा कि

सेमिनार में बोलते कुलपति प्रो. सुरेंद्र कुमार सिंह।

सामाजिक जागरूकता ही इस कुरीति को मिटाने का विकल्प है। डॉ. विनय कुमार चौधरी ने कहा कि सामाजिक कुरीति में बाल विवाह विचारणीय समस्या है।

कई प्रतिभागियों ने पढ़े आलेख

कॉलेज के समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. परमानंद झा, प्रो. उदयकांत मिश्र, प्रो. विपिन बिहारी चौधरी, प्रो. श्यामा कुमार, प्रो. भारती कुमारी आदि ने भी सेमिनार में अपने आलेख प्रस्तुत किए। प्रारंभ में कॉलेज के सचिव डॉ. बैद्यनाथ चौधरी बैजू ने अतिथियों को सम्मानित किया। धन्यवाद ज्ञापन प्रधानाचार्य डॉ. उदयकांत मिश्र ने किया। इस अवसर पर डॉ. राम सुभग चौधरी, प्रो. हरेराम झा, प्रो. आशुतोष झा, प्रो. राम नरेश चौधरी, प्रो. चंद्रशेखर झा, प्रो. दुनदुन प्रसाद राय, हरि किशोर चौधरी सहित कई शिक्षक, कॉलेज के शिक्षकेतर कर्मी व छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

समाजशास्त्र और समाज विज्ञान मे कोई अंतर नहीं

दरभंगा | निज प्रतिनिधि

समन्वय जरूरी

- शोध के लिए विभिन्न समाज विज्ञानों में समन्वय जरूरी
- समाज को रंग मंच समझकर समाजशास्त्री को शोध करना होगा

लना मिथिला विश्वविद्यालय समाजशास्त्र विभाग में आयोजित संगोष्ठी को शुक्रवार को संबोधित करते हुए अखिल भारतीय समाजशास्त्र संघ के सचिव एवं लखनऊ विश्वविद्यालय समाजशास्त्र विभाग के वरिष्ठ शिक्षक प्रो डीआर साहू ने कहा कि समाजशास्त्र एवं समाज विज्ञान में कोई अंतर नहीं है। विभिन्न समाज विज्ञान के विषयों में अध्ययन एवं शोध के लिए समन्वय आवश्यक है।

प्रो साहू ने समाजशास्त्र शोध के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला । उन्होंने कहा कि समाज को रंगमंच समझकर समाजशास्त्री को मानवीय दृष्टिकोण से सहभागी शोध करना होगा तभी सार्थक परिणाम सामने आएंगे । बी आर अंबेडकर सामाजिक विज्ञान संस्थान मध्यप्रदेश के अध्यक्ष डा आरडी मौर्या ने कहा कि समाज विज्ञान के छात्रों को अपने अंदर विषय के संबंध में हमेशा छोटी बड़ी खोज कर समाज को देने की प्रवृत्ति जगाना चाहिए। विश्वविद्यालय समाजशास्त्र के विभागाध्यक्ष प्रो विनोद कुमार चौधरी ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि सार्थक शोध परिणाम से सरकार एवं समाज को लाभ होगा।

निरंतरता एवं परिवर्तन की व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि परंपरा एवं परिवर्तन में समन्वय आवश्यक है। शुरू में मिथिला की परंपरा के अनुसार अतिथियों का स्वागत पाग और चादर से किया गया।

मिलकर रोकना होगा बाल विवाह

दरभंगा। महाराज महेश ठाकुर मिथिला महाविद्यालय में समाजशास्त्र विभाग के तत्वावधान में बाल विवाह एक सामाजिक अभिशाप विषय पर सेमिनार का आयोजन हुआ। सेमिनार का उद्घाटन ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो सुरेंद्र कुमार सिंह ने किया। सेमिनार की अध्यक्षता कुलसचिव मुस्तफा कमाल अंसारी एवं मुख्य अतिथि प्रो विनोद कुमार चौधरी ने किया।

उद्घाटन संबोधन में कुलपति ने कहा कि बाल विवाह हमारे समाज के लिए कोढ है। इसे हम सबों को जागरुकता फैला कर समूल नष्ट करना चाहिए। प्रो चौधरी व डॉ अंसारी ने कहा कि बिना परिपक्वता के शादी करना अपराध है, इसे रोकने के लिए हमें आगे आना होगा। तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो विश्वनाथ झा ने किया। सेमिनार में प्रो नागेंद्र कुमार, प्रो गोपी रमन सिंह, डॉ प्रभात चौधरी, डॉ विनय कुमार चौधरी, डॉ राज किशोर झा, डॉ परमानंद झा आदि मौजूद थे।

.स्वयं सहायता समूह के तहत समस्याएं व संभावनाओं पर राष्ट्रीय सेमिनार

प्रभात खबर

ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में स्वयं सहायता समूहों की बड़ी भूमिका

प्रतिनिधि ▷ दरभंगा

एमएमटीएम कॉलेज में रविवार को 'स्वयं सहायता समूह के तहत समस्याएं और संभावनाएं' विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन एलएनएमयू के वाणिज्य विभागाध्यक्ष बीबी एल दास की अध्यक्षता में हुआ. प्रति कुलपति प्रो. डॉ जय गोपाल समेत अन्य लोगों ने दीप जलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया. इस अवसर पर प्रो. गोपाल ने स्वयं सहायता समूह को ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में आवश्यक बताया. उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों के दुर्दशा की चर्चा करते हुए कहा कि अगर किसान आधुनिक तरीके से संगठित होकर मिल जुलकर खेती करें तो लागत के अनुरुप अधिक लाभ मिलेगा.

बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्रो. विशेश्वर झा ने कहा कि राज्य पर समाज का अधिकार कम- ज्यादा होते रहता है. पर समाज का समाज पर अधिकार हमेशा बरकरार रहता है. उन्होंने इसे स्पष्ट करते हुए कहा कि समाज अथवा समूह इच फॉर ऑल एंड ऑल फार इच है. उन्होंने स्वयं सहायता समूह के विकास में आने वाली कठिनाइयों का जिक्र किया. कहा कि इसे सफल तभी माना जा सकता है, जब समाज में समूह के लिए जागरुकता, जिम्मेवारी, कच्चा माल, बाजार, वित्त एवं आत्मविश्वास आदि के लिए कार्य किया जाए.

एमएमटीएम में आयोजित कार्यक्रम का दीप जलाकर उद्घाटन करते प्रतिकुलपति डॉ. जय गोपाल एवं अन्य.

छह लाख परिवार आज भी विकास से दूर : पूर्व कुलपति

पूर्व कुलपति प्रो. डॉ. राजकिशोर झा ने भारत सरकार के सर्वे का आंकड़ा प्रस्तुत करते हुए कहा कि देश की 68 प्रतिशत से अधिक आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है. इसमें छह लाख परिवार आज भी गांव में चून-बीछ कर अपनी आजीविका चलाते हैं. जब तक इन परिवारों का उत्थान एवं विकास नहीं होगा, तब तक भारत के विकास की कल्पना नहीं की जा सकती है. यह विकास तभी संभव है, जब गांव में स्वयं सहायता समूह का गठन कर उनका विकास किया जाए. प्रो विनोद चौधरी ने कहा कि बिहार की दशा और दिशा बदल रही है. पूर्व कुलसचिव डॉ अजीत कुमार सिंह ने स्वयं सहायता समूह की तुलना मनुष्य के शरीर से करते हुए कहा कि जिस प्रकार ए ग्रुप ऑफ आर्गन से पूरा शरीर चलता है, उसी प्रकार स्वयं सहायता समूह सामाजिक ग्रुप ऑफ आर्गन है. रुसा के उपाध्यक्ष प्रो. डॉ. कामेश्वर झा ने भी विचार रखा. इससे पूर्व अतिथियों का स्वागत कॉलेज के सचिव डॉ बैजनाथ चौधरी बैजू ने किया. सेमीनार में प्रो. दिगंबर चौधरी, डॉ राजकिशोर झा, प्रो. केके चौधरी, प्रो. देवकांत झा, प्रो. नरेश कुमार प्रसाद, प्रो. एसएन चौधरी, डॉ गणेश कुमार, प्रो. रविंद्र मिश्र, प्रो. सलाउद्दीन, प्रो. रामनरेश चौधरी, प्रो. चंद्रशेखर झा उर्फ बूढा भाई, प्रो. परमानंद झा आदि ने भी विचार रखा.

औचक निरीक्षण में अनियमितता उजागर

दरभंगा. संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रोवीसी प्रो. चन्द्रेश्वर प्रसाद सिंह ने रविवार को करीब आधे दर्जन अंगीभूत व सम्बद्ध कालेजों का औचक निरीक्षण किया. निरीक्षण के क्रम में उन्होंने कालेजों की व्यवस्था पर गहरा असंतोष जताया. प्रोवीसी ने कहा कि कालेजों में छात्रों की उपस्थिति हर हाल में सुधारनी होगी. नियमित वर्ग संचालन के साथ सभी जगहों पर साफ-सफाई भी जरूरी है. सभी कालेजकर्मियों को हिदायत दी गयी कि वे छात्रहित को सर्वोपरि मानते हुए व्यवस्था परिवर्तन करें. वहीं सभी लिपिक को कैशबुक व लेजर बुक आदि को अद्यतन करने का भी उन्होंने सख्त निर्देश दिया. प्रति कुलपति ने रमेश्वरी लता संस्कृत कालेज, दरभंगा, संकटमोचन कॉलेज, दरभंगा, पूर्णिमा रामप्रताप कॉलेज, बेगनी, श्री जगदम्बा कॉलेज बाथो, नागार्जुन संस्कृत कॉलेज तरौनी तथा राजेश्वर ठाकुर संस्कृत कॉलेज राघोपुर का निरीक्षण किया.

जीविका ने बदली सूबे की दशा-दिशा

हिन्दुस्तान - दि० 3/7/18

दरभंगा | एक प्रतिनिधि

महाराज महेश ठाकुर महाविद्यालय में रविवार को स्वयं सहायता समूह समस्याएं और संभावनाएं विषयक राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन हुआ। अध्यक्षता वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष सह निदेशक प्रो बीबीएल दास ने की। स्वागत कॉलेज के सचिव डॉ बैद्यनाथ चौधरी बैजू ने किया।

उद्घाटन करते हुए लनामिवि के प्रतिकुलपति डॉ जय गोपाल ने स्वयं सहायता समूह को ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में आवश्यक बताया। डॉ. गोपाल ने ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों की दुर्दशा की चर्चा करते हुए कहा कि अगर किसान आधुनिक तरीके से संगठित होकर मिल-जुलकर खेती करें तो उन्हें लागत के अनुरूप अधिक लाभ मिलेगा जो सफलता का कारक है। यही समूह स्व सहायता समूह कहलाता है।

राज्य पर कम-ज्यादा होते रहता है समाज का अधिकार

मुख्य अतिथि बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग के विशेश्वर झा ने कहा की राज्य पर समाज का अधिकार कम ज्यादा होते रहता है लेकिन समाज का समाज पर अधिकार हमेशा बरकरार रहता है।

समाज का एक ग्रुप ऑर्गन है स्वयं सहायता समूह

लनामिवि के पूर्व कुलसचिव प्रो अजीत कुमार सिंह ने कहा जिस प्रकार ग्रुप ऑफ ऑर्गन से पूरा शरीर चलता है। उसी प्रकार स्वयं सहायता समूह समाज का एक ग्रुप ऑर्गन है। उन्होंने मनुष्य के शरीर से उसकी तुलना की।

सेमिनार के संबोधन में विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र के विभागाध्यक्ष प्रो. विनोद कुमार चौधरी ने इस विषय पर प्रकाश डालते हुए बिहार की जीविका की सफलता की भी चर्चा की जो बिहार की दशा और दिशा बदल रही है।

रूसा के उपाध्यक्ष डॉ कामेश्वर झा ने स्वयं सहायता समूह को समझाते हुए नया दौर सिनेमा के गीत साथी हाथ बटाना की चर्चा करते हुए कहा ऐसे ही समूह बनता है। प्रोफ़ेसर बीबीएल दास ने सेमिनार में आए चुनाव पर चर्चा करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता के निर्माण में गरीबी, जागरूकता, साक्षरता, बिग बाजार, कच्चा माल उत्पादन के लिए स्किल डेवलपमेंट वर्तमान कठिनाइयों का निस्तारण सभी आदि जैसी समस्याओं के निदान के बाद ही स्वयं सहायता समूह अपने मकसद में कामयाब हो सकेगा।

सेमिनार में प्रधानाचार्य प्रोफेसर विद्यानाथ झा, प्रो दिगंबर चौधरी, प्रो के के चौधरी, प्रदीप कांत झा, प्रो नरेश कुमार प्रसाद, प्रोफेसर एस एन चौधरी, डॉ गणेश कुमार, प्रो रविंद्र मिश्रा, प्रोफेसर सलाउद्दीन, प्रो राम नरेश चौधरी, प्रोफेसर चंद्रशेखर बूढा भाई आदि मौजूद रहे।

पर्यावरण से ही हो रही है। बेहिसाब तरीक़े भी साइकिल चलाते हुए

संगठित होकर खेती करें तो होगा लाभ

दैनिक जागरण 3/7/18

जासं, दरभंगा : स्वयं सहायता समूह को ग्रामीण क्षेत्रों में विकास करने से काफी लाभ होगा। ग्रामीण क्षेत्र के किसानों की दुर्दशा को सुधारने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। एमएमटीएम कॉलेज में रविवार को आयोजित स्वयं सहायता समूह : समस्याएं एवं संभावना विषयक सेमिनार के उद्घाटन संबोधन में प्रोवीसी प्रो. जयगोपाल ने ये बातें कही। कहा कि अगर किसान संगठित होकर आधुनिक तरीके से मिलजुलकर खेती करें तो उन्हें लागत के अनुरूप अधिक लाभ होगा। जो एक सफलता का कारक है। ऐसे ही समूह को स्वयं सहायता समूह कहा जाता है। बतौर मुख्य वक्ता बीएचयू के वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉ. विशेश्वर झा ने कहा कि राज्य पर समाज का अधिकार कम ज्यादा होते रहता है। लेकिन, समाज का समाज पर अधिकार हमेशा बरकरार रहता है। समाज या समूह सभी के लिए या सभी समाज के लिए होते हैं। स्वयं सहायता समूह तभी विकास करेगा जब समाज में इसके लिए जागरूकता, जिम्मेवारी, कच्चामाल बाजार, वित्त एवं आत्मविश्वास के लिए कार्य किया जाए। पूर्व कुलपति प्रो. राजकिशोर झा ने कहा कि 68 फीसद से अधिक आबादी गांव में निवास करती है। जिनमें आज भी 6 लाख परिवार चुन-बिन कर अपनी आजीविका चला रहा है। जब तक इन परिवारों का विकास नहीं होगा तब तक भारत के विकास की परिकल्पना व्यर्थ है। इन सबका विकास सिर्फ स्वयं सहायता समूह के माध्यम से ही संभव है। डॉ. विनोद कुमार चौधरी ने कहा कि बिहार की दशा-दिशा बदल रही है। वाणिज्य के संकायाध्यक्ष डॉ. अजीत कुमार सिंह ने स्वयं सहायता समूह की तुलना मानव शरीर से करते हुए कहा कि पंचायत स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम कर इसे प्रभावी बनाया जा सकता है। रूसा के उपाध्यक्ष डॉ. कामेश्वर झा ने कहा कि स्वयं सहायता समूह को ऊर्जा और सह ऊर्जा का मिज़ा जुला रूप बताते हुए समूह ही सामाजिक परिवर्तन का सूत्रधार होता है। अतिथियों का स्वागत सचिव डॉ. बैद्यनाथ चौधरी बैजू ने किया। मौके पर वाणिज्य के विभागाध्यक्ष दिगंबर चौधरी, डॉ. राज किशोर झा, डॉ. केके चौधरी, देव कांत झा, नरेश कुमार प्रसाद, एसएन चौधरी, डॉ. गणेश कुमार, रविंद्र मिश्र, सलाउद्दीन, राम नरेश चौधरी, चंद्रशेखर झा, परमानंद झा, प्रधानाचार्य डॉ. विद्यानाथ झा मौजूद थे। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. उदय कांत मिश्र ने किया।

राष्ट्रीय सेमिनार को संबोधित करते प्रतिकुलपति • जागरण

दि॰ - 30/07/18

दैनिक भास्कर

लहेरियासराय

कार्यक्रम | एमएमटीएम कॉलेज में स्वयं सहायता समूह की समस्याओं व संभावनाओं पर हुआ सेमिनार

आधुनिक तरीके से संगठित हो खेती करें किसान तो मिलेगा लागत से अधिक लाभ

समाज में समूह के लिए जागरूकता व आत्मविश्वास के लिए कार्य किया जाए

एजुकेशन रिपोर्टर | दरभंगा

एमएमटीएम कॉलेज में वाणिज्य विभाग के तत्वावधान में राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। इसमें स्वयं सहायता समूह की समस्याओं व संभावनाओं पर विमर्श किया गया। सेमिनार की अध्यक्षता एलएनएमयू के पीजी कॉमर्स विभागाध्यक्ष डॉ. बीबीएल दास ने की। सेमिनार का उद्घाटन करते हुए एलएनएमयू के प्रतिकुलपति प्रो. जय गोपाल ने विषय का परिचय कराते हुए स्वयं सहायता समूह को ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में आवश्यक बताया। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों की दुर्दशा की चर्चा करते हुए कहा कि अगर किसान आधुनिक तरीके से संगठित होकर मिलजुल कर खेती करें तो उन्हें लागत के अनुरूप अधिक लाभ मिलेगा जो सफलता का कारक है। यही समूह स्वयं सहायता समूह कहलाता है। मुख्य अतिथि के रूप में बीएचयू के वाणिज्य विभाग के विशेश्वर झा ने स्वयं सहायता समूह की समस्या व संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि राज्य पर समाज का अधिकार कम अधिक होता रहता है। लेकिन समाज का समाज पर अधिकार हमेशा बरकरार रहता है। उन्होंने स्वयं सहायता समूह के विकास के लिए आने वाली कठिनाइयों का जिक्र करते हुए कहा कि इसे सफल तभी बनाया जा सकता है जब समाज में समूह के लिए जागरूकता, जिम्मेवारी, कच्चा माल बाजार, वित्त एवं आत्मविश्वास आदि के लिए कार्य किया जाए। इसके पूर्व अतिथियों का स्वागत कॉलेज के सचिव डॉ. बैद्यनाथ चौधरी बैजू, वाणिज्य विभागाध्यक्ष प्रो. दिगम्बर चौधरी ने किया। कार्यक्रम में प्रो. केके चौधरी, प्रो. देव कांत झा, प्रो. नरेश कुमार प्रसाद, प्रो. एसएन चौधरी, डॉ. गणेश कुमार, प्रो. रविन्द्र मिश्र, प्रो. सलाउद्दीन प्रो. राम नरेश चौधरी, प्रो. चन्द्रशेखर झा, प्रो. परमानन्द झा, प्रो. हरिश्चन्द्र प्रसाद, प्रो. दिवाकर झा, प्रो. डीपी गुप्ता, प्रो. विद्यानाथ झा आदि मौजूद थे। धन्यवाद ज्ञापन प्रधानाचार्य डॉ. उदय कान्त मिश्र ने किया।

एमएमटीएम कॉलेज के सेमिनार को संबोधित करते प्रो. जय गोपाल।

ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है 68% से अधिक आबादी

पूर्व कुलपति प्रो. राजकिशोर झा ने भारत सरकार के सर्वे का आंकड़ा प्रस्तुत करते हुए कहा कि देश की 68 प्रतिशत से अधिक आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है। इसमें 6 लाख परिवार आज भी गांवों में चुन-बीन कर अपनी आजीविका चलाते हैं। जब तक इन परिवारों का उत्थान एवं विकास नहीं होगा तब तक भारत के विकास की कल्पना नहीं की जा सकती। यह विकास तभी संभव है जब गांवों में स्वयं सहायता समूह का गठन कर उनका विकास किया जाए।

बिहार की दशा बदल रही जीविका

एलएनएमयू के समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार चौधरी ने बिहार की जीविका की सफलता की भी चर्चा की जो बिहार की दशा व दिशा बदल रही है। पूर्व कुलसचिव व डीन प्रो. अजीत कुमार सिंह ने स्वयं सहायता समूह की तुलना मनुष्य के शरीर से करते हुए कहा कि जिस प्रकार ग्रुप ऑफ आर्गन से पूरा शरीर चलता है, उसी प्रकार स्वयं सहायता समूह भी समाज के लिए ग्रुप ऑफ आर्गन है जिसे सफल बनाने के लिए पंचायत स्तर पर शार्ट टर्म ट्रेनिंग प्रोग्राम चलाकर अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता है।

समूह के विकास के लिए एक्शन प्लान जरूरी : प्रो. कामेश्वर झा

रूसा के उपाध्यक्ष प्रो. कामेश्वर झा ने इन समूहों को आधुनिक दौर में इनर्जी और सिनर्जी यानि उर्जा और सह उर्जा का मिलाजुला रूप बताते हुए परिभाषित किया और इसकी समस्या और संभावना पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि समूह के विकास के लिए बुक कीपिंग, प्रोसेसिंग एवं एक्शन प्लान का होना अति आवश्यक है। अध्यक्षीय संबोधन में प्रो. बीबीएल दास ने सेमिनार में आए सुझावों पर चर्चा की। दूसरे सत्र में विषय से संबंधित आलेख प्रस्तुत किए गए।

याद

वक्ताओं ने कहा- महान थे मिथिला के गांधी

कंटीर झा की याद में पुस्तक का विमोचन

जासं, दरभंगा : विद्यापति सेवा संस्थान के तत्वावधान में सोमवार को डॉ. टुनटुन झा अचल लिखित पुस्तक यादों की याद का विमोचन किया गया। यह पुस्तक स्वतंत्रता सेनानी कंटीर झा की स्वतंत्रता आन्दोलन में गांधी के योगदानों पर लिखी पुस्तक पर आधारित है। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. प्रभाकर पाठक ने की। पद्मश्री डॉ. मोहन मिश्र ने कंटीर झा को स्मरण करते हुए इस पुस्तक को ऐतिहासिक एवं अमूल्य दस्तावेज करार दिया। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम के जुझारू व्यक्तियों पर और भी पुस्तक आने की जरूरत पर बल दिया। सुप्रसिद्ध वैज्ञानिक पद्मश्री डॉ. मानस बिहारी वर्मा ने कहा कि यह पुस्तक गागर में सागर के समान है। जिस तरह से बिखरे पड़े मोतियों को चुन-चुनकर आखर में पिरोया गया है उसी तरह इसकी भी रचना की गई है। यह अत्यन्त उपयोगी और काबिले तारीफ है। डॉ. अचल ने विषय परिवर्तन कर इस पुस्तक की विस्तार से व्याख्या की। संस्थान के महासचिव डॉ. बैद्यनाथ चौधरी 'बैजू' ने मिथिला के स्वतंत्रता सेनानियों के इतिहास को खंगालते हुए इस पुस्तक को इतिहासों का इतिहास बताते हुए इसे अमूल्य धरोहर करार दिया। स्वतंत्रता सेनानी

आयोजन

- स्वतंत्रता संग्राम के जुझारू व्यक्तियों पर और भी पुस्तक आने पर दिया बल
- यह पुस्तक गागर में सागर के है समान, जुटे कई लोग

हृदय नारायण चौधरी ने कंटीर झा को मिथिला का गांधी कहकर संबोधित किया। उन्होंने कहा कि देश को आजाद कराने वाले भुक्तभोगी ही स्वतंत्रता संग्राम के बारे में बेहतर कह सकते हैं। विमोचन समारोह में मैथिली अकादमी के पूर्व अध्यक्ष पं. कमला कांत झा, डॉ. उमाशंकर झा, डॉ. ब्रजमोहन मिश्र आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

स्वागत संबोधन प्रो. चंद्रशेखर झा बूढ़ा भाई ने किया। संचालन डॉ. चंद्रेश एवं धन्यवाद ज्ञापन संस्थान के सचिव जीव कांत मिश्र ने किया। मौके पर प्रधानाचार्य डॉ. उदयकांत मिश्र, डॉ. हरेराम झा, डॉ. सत्यनारायण ठाकुर, डॉ. मिथिलेश कुमार चौधरी, मनोहर कुमार मिश्र आदि मौजूद थे।

अदालत के माध्यम से समस्या का निदान

जासं, दरभंगा : मिथिला स्टूडेंट यूनियन ने सोमवार को लनामिविवि में छात्र-अदालत का आयोजन किया। कार्यक्रम मारवाड़ी कॉलेज छात्र-संघ उपाध्यक्ष किशन झा के नेतृत्व में हुआ। जिसमें नागेंद्र झा महिला कॉलेज से आई निशा झा को रिजल्ट में पेंडिंग की समस्या, मारवाड़ी कॉलेज से आए अमित कुमार को अंक-प्रमाण पत्र में समस्या समेत 15 समस्याओं का समाधान छात्र अदालत के माध्यम से कराया गया। एमएसयू के विश्वविद्यालय प्रवक्ता जयप्रकाश झा ने कहा कि आए दिन विश्वविद्यालय में कई छात्र संगठनों की ओर से आंदोलन किया जा रहा है। जिसका कारण विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से छात्रों की आवाज को दबाना है। विश्वविद्यालय में हजारों समस्या है। छात्रों को महीनों दौड़ाया जाता है। इसी सबके लिए छात्र अदालत का आयोजन किया जाता है। जिससे छात्रों को ऑन द स्पॉट समस्या का समाधान मिलता है। सबसे ज्यादा समस्या छात्रों को मूल प्रमाण-पत्र के लिए था। बिट्टू कुमार, अहमद फहरुक, अभिषेक कुमार आदि छात्रों ने एमएसयू की सदस्यता ली। मौके पर विश्वविद्यालय अध्यक्ष अमन सक्सेना, उपाध्यक्ष राहुल झा, बमबम चौधरी आदि मौजूद थे।

संबद्ध कॉलेजों की समस्या को लेकर विवि संवेदनशील : वीसी

दैनिक जागरण
10/08/2018

एमएमटीएम कॉलेज में नए विज्ञान भवन का किया गया उद्घाटन

जासं, दरभंगा : एमएमटीएम कॉलेज के नवनिर्मित विज्ञान भवन के उद्घाटन संबोधन में कुलपति प्रो. सुरेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि इस महाविद्यालय के छात्रों का परीक्षाफल अच्छा होता है। जो यहां सिद्ध करता है कि शैक्षणिक वातावरण है। उन्होंने महाविद्यालय के उत्तरोत्तर विकास की कामना की। कहा कि विश्वविद्यालय अपनी सीमा के अंदर संबद्ध महाविद्यालयों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील है। प्रतिकुलपति प्रो. जयगोपाल ने विज्ञान भवन में निर्मित प्रयोगशाला के द्वारा छात्रों को व्यवहारिक ज्ञान होने की अपेक्षा की एवं सबको इसके लिए धन्यवाद दिया। कुलसचिव कर्नल निशीथ कुमार राय ने विज्ञान भवन एवं शिक्षक प्रकोष्ठ निर्माण के लिए प्रसन्नता व्यक्त की। प्रो. एनके अग्रवाल ने संबद्ध महाविद्यालय में इस तरह सुसज्जित भवन निर्माण के लिए महाविद्यालय प्रबंधन की प्रशंसा की। उन्होंने कहा तीन तल्ले का ये सुसज्जित भवन का लाभ यहां के छात्रों को मिलेगा। यह विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात है। डॉ. सुरेंद्र प्रसाद गाई ने संबद्ध महाविद्यालय के कर्मियों के पीड़ा की ओर कुलपति का ध्यान आकृष्ट कराया। अध्यक्षीय संबोधन में प्रो. विनोद कुमार चौधरी ने सभी तरह के कार्यो को सहजतापूर्वक संपादित करने के लिए साधुवाद दिया। सचिव डॉ. बेद्यनाथ चौधरी बैजू ने स्वागत संबोधन एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रधानाचार्य डॉ. उदय कांत मिश्र ने किया। प्रारंभ में संगीत विभाग के डॉ. राधामोहन मिश्र के साथ विभाग के छात्रों ने स्वागत गान प्रस्तुत किया गया। मौके पर मिथिला महिला महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. अमरेंद्र कुमार मिश्र सहित डॉ. हरेराम झा, डॉ. राजकिशोर झा, श्याम भास्कर, सीनेटर डॉ. रामसुभग चौधरी, प्रो. चंद्रशेखर झा, हरि किशोर चौधरी, डॉ. विजय कुमार सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी मौजूद थे।

एमएमटीएम कॉलेज के छात्रों का परीक्षाफल होता है अच्छा

व्यवहारिक ज्ञान होने की अपेक्षा की और इसके लिए दिया सबको धन्यवाद

एमएमटीएम कॉलेज में विज्ञान हॉल का उद्घाटन करते कुलपति, प्रतिकुलपति व अन्य ● जागरण

एमएमटीएम कॉलेज में विज्ञान भवन का उद्घाटन

दि० - 10/8/18 - प्रभात खबर

दरभंगा. एमएमटीएम कालेज के विज्ञान भवन एवं शिक्षक प्रकोष्ठ का उद्घाटन ललामिवि के कुलपति प्रो. सुरेंद्र कुमार सिंह ने गुरुवार को किया. कुलपति ने कहा कि यहां के छात्रों का अच्छा परीक्षाफल शैक्षणिक माहौल का परिचायक है. विश्वविद्यालय अपनी सीमा के अंदर संबद्ध कालेजों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील है. प्रतिकुलपति डॉ. जयगोपाल ने कहा कि विज्ञान भवन के प्रयोगशाला से छात्रों को व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त करने का अवसर प्राप्त होगा. कुलसचिव निशित कुमार राय ने विज्ञान भवन एवं शिक्षक प्रकोष्ठ के उदघाटन पर प्रसन्नता व्यक्त की. शासी निकाय सचिव डॉ बैद्यनाथ चौधरी ने कुलपति के कार्य संस्कृति की प्रशंसा करते हुए कहा कि इनके कार्यकाल में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण में सुधार आया है. अध्यक्षता सिंडिकेट सदस्य डॉ. विनोद कुमार चौधरी ने की. समारोह में लोक सूचना पदाधिकारी प्रो. एनके अग्रवाल, प्रधानाचार्य डॉ. सुरेंद्र प्रसाद गाईं आदि ने विचार रखा. धन्यवाद ज्ञापन प्रधानाचार्य डॉ उदयकांत मिश्र ने किया. डॉ राधामोहन मिश्र के साथ छात्रों ने स्वागत गान प्रस्तुत किया. समारोह में प्रधानाचार्य डॉ. अमरेंद्र कुमार मिश्र, डॉ. हरेराम झा, डॉ. राजकिशोर झा, श्याम भास्कर, सीनेटर डॉ. रामसुभग चौधरी, आदि लोग थे.

विवि ने मांगा प्रायोगिक परीक्षा का अंक

दरभंगा. ललामिवि ने डिग्री पार्ट थ्री सत्र 2015-18 का शिड्यूल तैयार करवा लिया है. परीक्षा नियंत्रक डॉ कुलानंद यादव ने बताया कि सभी कॉलेजों के प्रधानाचार्यो को शिड्यूल मंगवाने को कहा है. वहीं पार्ट टू की प्रायोगिक परीक्षा से जुड़े केंद्राधीक्षकों से प्रायोगिक परीक्षा का अंक, सूची एवं मेमो उपलब्ध करवाने को कहा है.

"सर्वशिक्षा 2017-

वन एवं वन्य प्राणी संसाधन

की छुट्टी में जब फौजी चाचा घर आए तो बच्चे बहुत खुश हुए
तो बच्चों को नई-नई बातें बताते हैं। इस बार वे मणिपुर से आ
र लिया। फौजी चाचा मुस्कुराये और बोले–क्या बात है बच्चों ?

विश्वविद्यालय अपनी सीमा के अंदर संबद्ध महाविद्यालय की समस्याओं के प्रति है बहुत ही संवेदनशील : कुलपति

महाराजा महेश ठाकुर मिथिला महाविद्यालय के नवनिर्मित विज्ञान भवन का किया गया उद्घाटन

दैनिक भास्कर - 19/8/18

सिटी रिपोर्टर | दरभंगा

कुलपति प्रो. सुरेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि महाविद्यालय के छात्रों का परीक्षाफल अच्छा होता है, जो यह सिद्ध करता है कि यहां शैक्षणिक वातावरण है। विश्वविद्यालय अपनी सीमा के अंदर संबद्ध महाविद्यालय के समस्याओं के प्रति संवेदनशील है। गुरुवार को महाराजा महेश ठाकुर मिथिला महाविद्यालय के नव निर्मित्त विज्ञान भवन का उद्घाटन ललित नारायण मिथिला विवि के कुलपति प्रो. सुरेंद्र कुमार सिंह किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति प्रो. जयगोपाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में कुलसचिव कर्नल एनके रॉय, प्रो. विनोद कुमार चौधरी, प्रो. एनके अग्रवाल उपस्थिति थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. विनोद कुमार चौधरी ने की। समारोह में सभी अतिथियों का स्वागत महाविद्यालय के संस्थापक व शासी निकाय के सचिव डॉ. बैजनाथ चौधरी द्वारा पाग ,चादर व पुष्पमाला से किया। प्रो. विनोद कुमार चौधरी द्वारा विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित करने व मिथिला के विकास के लिए किए गए कार्य के लिए उन्हें साधुवाद दिया। प्रतिकुलपति प्रो. जयगोपाल ने विज्ञान भवन में निर्मित प्रयोगशाला के द्वारा छात्रों को व्यवहारिक ज्ञान होने की अपेक्षा की। वहीं कुलसचिव ने विज्ञान भवन व शिक्षक प्रकोष्ठ निर्माण के लिए प्रसन्नता व्यक्त की।

नवनिर्मित विज्ञान भवन में एलएनएमयू के वीसी प्रोफेसर सुरेंद्र कुमार सिंह व अन्य।

पटना, गुरुवार, 18 अगस्त 2022
सन्मार्ग Live News & Epaper http://www.live7tv.com

वाजपेयी का राजनीतिक जीवन अनुकरणीय : कुलपति

दरभंगा/वरीय संवाददाता। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी का राजनीतिक जीवन अनुकरणीय है। इसका अनुसरण करना राजनीतिज्ञों के लिये लाभकारी सिद्ध हो सकता है। कुलपति मंगलवार को एमएमटीएम कॉलेज के राजनीति विज्ञान विभाग एवं विद्यापति सेवा संस्थान की ओर से "भारतीय राजनीति और वाजपेयी" विषय पर आयोजित संगोष्ठी में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वाजपेयी का कहना था कि सरकारें आयेगी-जायेगी, देश रहना चाहिए। विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. जितेंद्र नारायण ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी राजनीतिक दलों से संबंधित वाद विवाद में हिस्सा लेना पसंद कर थे। जब भारत छोड़ो आंदोलन जोर शोर से चल रहा था उसी समय श्यामा प्रसाद मुखर्जी से उन्हें मुलाकात हुई और उनके आग्रह पर भारतीय जनसंघ पार्टी में वे सम्मिलित हुए। इस मौके पर प्रो. मुनेश्वर यादव, विधायक डॉ. मुरारी मोहन झा ने विचार रखे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. देवनारायण झा ने किया। अतिथियों का स्वागत विद्यापति सेवा संस्थान के महासचिव डॉ. बैद्यनाथ चौधरी बैजू ने किया। संचालन श्याम भास्कर एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रधानाचार्य डॉ. उदय कांत मिश्र ने किया।

धारावाहिक विद्यापति के कलाकार हुए सम्मानित

दरभंगा | एमएमटीएम कॉलेज में आकाशवाणी से प्रसारित मैथिली धारावाहिक विद्यापति की समीक्षा गोष्ठी सह सम्मान समारोह आयोजित हुई। अध्यक्षता आकाशवाणी के केन्द्र निदेशक डॉ. उमाशंकर झा ने की। धारावाहिक के लेखक श्याम भास्कर ने कहा कि अपनी संस्कृति को अक्षुण्ण रखने और अपने महापुरूषों को याद रखना युवा पीढ़ी का धर्म बनता है। आवाज देने वाले कलाकार अरूण कुमार झा, शिप्रा कुमारी, सुष्मिता कुमारी, महेन्द्र नारायण चौधरी, संजय कुमार, कृष्ण साह, कविता राय, नीतू कुमारी, संजीत रंजन दास, संजीव कुमार सुधाकर, अखिलेश कुमार झा, प्रवीण कुमार झा आदि को सम्मानित किया गया। डॉ. अमरकांत कुमार, कुसुमाकर दूबे, डॉ. कृष्ण कुमार आदि रहे।

धारावाहिक विद्यापति की समीक्षा गोष्ठी आयोजित

दरभंगा। एमएमटीएम कॉलेज के सभागार में आकाशवाणी दरभंगा से प्रसारित मैथिली धारावाहिक विद्यापति की समीक्षा गोष्ठी सह सम्मान समारोह सोमवार को हुआ। अध्यक्षता आकाशवाणी के केंद्र निदेशक डॉ. उमाशंकर झा ने की। विशिष्ट अतिथि एमएलएसएम कॉलेज के हिंदी प्राध्यापक डॉ. अमरकांत कुमर रहे। कार्यक्रम का आयोजन एमएमटीएम कॉलेज के हिंदी विभाग ने किया। धारावाहिक के अधिकांश कलाकार अरुण कुमार झा, शिप्रा कुमारी, सुष्मिता कुमारी, महेंद्र नारायण चौधरी, संजय कुमार, कृष्ण शाह, अनिता राय, नीतू कुमारी, संजीत रंजन दास, संजीत कुमार, सुधाकर, अखिलेश कुमार झा, प्रतीक कुमार झा आदि शामिल रहे । प्रधानाचार्य डॉ. उदय कांत मिश्र ने पूरे कार्यक्रम और धारावाहिक की सराहना की। वे इस ... अतिथि के रूप में

संस्कृति को कायम रखने में युवा पीढ़ी की है महत्वपूर्ण भूमिका

प्रभात खबर - 25/9/18

- आकाशवाणी से प्रसारित मैथिली धारावाहिक की समीक्षा गोष्ठी व सम्मान समारोह

प्रतिनिधि ▷ दरभंगा.

विद्यापति के कवि रूप को जीवंत करने का श्रेय धारावाहिक के लेखक, निर्देशक एवं पात्र को जाता है. धारावाहिक में गायन का स्तर उत्कृष्ट है. एमएमटीएम कॉलेज के हिंदी विभाग की ओर से आकाशवाणी से प्रसारित मैथिली धारावाहिक 'विद्यापति' की समीक्षा गोष्ठी एवं सम्मान समारोह में आकाशवाणी के केंद्र निदेशक डॉ उमाशंकर झा ने यह बात कही. डॉ अमरकांत कुमर ने धारावाहिक को अत्यंत सफल, लोकप्रिय बताया. धारावाहिक के लेखक श्याम भास्कर ने कहा कि अपनी संस्कृति को कायम रखने में युवा पीढ़ी की अहम भूमिका है. इस धारावाहिक ने रेडियो की विश्वसनीयता को फिर से बनाया गया है. गांव गांव के लोग इसे सुना और सराहा है. विद्यापति मैथिली के ही नहीं अपितु हिंदी के महाकवि हैं. विद्यापति की भूमिका में अरुण कुमार झा, रानी लखिया की भूमिका में शिप्रा कुमारी, राजा शिव सिंह की भूमिका में महेंद्र नारायण चौधरी, सुधीरा की भूमिका में सुष्मिता कुमारी, संजय कुमार, कृष्ण शाह, कविता राय, नीतू कुमारी, संजीव रंजन दास, संजीव कुमार सुधाकर, अखिलेश कुमार झा, प्रवीण कुमार झा आदि को धारावाहिक को जीवंत बनाने का श्रेय दिया. सतीश कुमार सिंह ने धारावाहिक को तत्कालीन सामाजिक मूल्यों, समस्याओं और सामाजिक उथल-पुथल का दस्तावेज बताया. उन्होंने धारावाहिक में विद्यापति के कृतित्व और व्यक्तित्व को समग्रता से उद्घाटित करने की बात कही. धारावाहिक के निर्देशक और प्रस्तुतकर्ता कुसुमाकर दुबे ने कहा कि वे गैर मैथिली भाषी होने के कारण बड़े संकोच के साथ इससे जुड़े, किंतु कार्य के दौरान एहसास हुआ कि यह बड़ा कार्य है. इसकी सफलता से संतोष हुआ है. एमएलएसएम कॉलेज के हिंदी विभागाध्यक्ष कृष्ण कुमार झा ने आलेख को उत्कृष्ट बताया. अरविंद कुमार झा ने धारावाहिक की सफलता का श्रेय लेखक एवं निर्देशक को दिया. एमएमटीएम कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ उदय कांत मिश्र, डॉ राज किशोर झा आदि ने भी विचार रखा. धन्यवाद ज्ञापन प्रो. चंद्रशेखर झा उर्फ बूढा भाई ने किया. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में रेडियो के श्रोता के साथ साथ गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे. मौके पर धारावाहिक का पहला व अंतिम एपिसोड सुनाया गया.

एकल अभिनय में प्रवीण रहे अव्वल स्थान पर

हिन्दुस्तान - 26/7/22

दरभंगा। एमएमटीएम कॉलेज में सोमवार को नाट्य विभाग एवं आइक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में एकल अभिनय प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। निर्णायक मंडल में श्याम भास्कर, डॉ. सत्येंद्र कुमार झा एवं प्रो. सूर्यकांत झा थे।

निर्णायक मंडल ने प्रवीण कुमार का प्रथम स्थान के लिए चयन किया। द्वितीय स्थान पर अनिल कुमार मिश्र एवं तृतीय स्थान अमन कुमार झा रहे। अन्य का नाम सांत्वना पुरस्कार के लिए घोषित किया गया।

एकल अभिनय प्रतियोगिता में अनिल आये प्रथम

प्रतिभागियों के साथ प्रधानाचार्य डॉ उदय कांत मिश्र व प्राध्यापकगण.

प्रभात खबर - 26/07/22

दरभंगा. एमएमटीएम कॉलेज के नाट्य विभाग एवं आइक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को 'एकल अभिनय प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया. इसमें मोहन कुमार, वैभव कुमार, प्रियांशु प्रशांत कुमार झा, बादल कुमार, रोशन राज, अमन कुमार झा, अनिल कुमार मिश्रा, प्रवीण कुमार आदि ने भाग लिया. प्रतिभागियों ने विभिन्न विषयों पर आधारित एकल प्रस्तुति दी. प्रतियोगिता के निर्णायक थे प्रो. श्याम भास्कर, डॉ सत्येंद्र कुमार झा एवं प्रो. सूर्यकांत झा. प्रस्तुति के आधार पर प्रवीण कुमार प्रथम स्थान के लिए चयनित किये गये. द्वितीय स्थान पर अनिल कुमार मिश्र एवं तृतीय स्थान पर अमन कुमार झा रहे. अन्य प्रतिभागियों का नाम सांत्वना पुरस्कार के लिए घोषित किया गया. बाद में प्रधानाचार्य डॉ उदय कांत मिश्र की अध्यक्षता में पुरस्कार वितरण समारोह हुआ. इसमें प्रधानाचार्य समेत प्रो. सूर्य कांत झा एवं डॉ राजकिशोर झा ने संयुक्त रूप से प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया. मौके पर डॉ आरके वर्मा, डॉ हरेराम झा, डॉ राम सुभग चौधरी, डॉ चतुरानन्द मिश्र आदि मौजूद रहे.

एमएमटीएम कॉलेज में हुई एकल अभिनय प्रतियोगिता

प्रतियोगिता में सम्मलित प्रतिभागी।

दैनिक भास्कर - 26/7/22

भास्कर न्यूज|दरभंगा

एमएमटीएम कॉलेज 25 जुलाई को कालेज के सभागार में नाट्य विभाग एवं आइक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में एकल अभिनय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल के सदस्य श्याम भास्कर, डॉक्टर सत्येंद्र कुमार झा एवं प्रो सूर्यकांत झा। प्रतिभागी के रूप में मोहन कुमार, वैभव कुमार, प्रियांशु प्रशांत कुमार झा, बादल कुमार, रौशन राज, अमन कुमार झा, अनिल कुमार मिश्रा, प्रवीण कुमार शामिल हुए। प्रतिभागियों ने विभिन्न विषयों पर प्रस्तुति दी। निर्णायक मंडल द्वारा प्रवीण कुमार का प्रथम स्थान के लिए चयन किया गया। द्वितीय स्थान पर अनिल कुमार मिश्र एवं तृतीय स्थान अमन कुमार झा रहे। अन्य प्रतिभागियों का नाम सांत्वना पुरस्कार के लिए घोषित किया गया। बाद में प्रधानाचार्य डॉ उदय कांत मिश्र प्रो सूर्य कांत झा एवं डॉ राजकिशोर झा ने संयुक्त रूप से पुरस्कृत किया। मौके पर डॉ आरके वर्मा, डॉ हरेराम झा, डॉ राम सुभग चौधरी, डॉ चतुरानन्द मिश्र मौजूद रहे।

एमएमटीएम कॉलेज में किया गया पौधरोपण

पौधरोपण करते प्रधानाचार्य डॉ उदयकांत मिश्र एवं अन्य

प्रभात खबर - दिनांक-05/08/22

दरभंगा. महाराज महेश ठाकुर मिथिला महाविद्यालय में स्वच्छता अभियान के तहत महाविद्यालय परिसर में साफ-सफाई एवं पौधरोपण किया गया. प्रधानाचार्य डॉ उदयकांत मिश्र के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में कॉलेज के छात्र- छात्राएं, शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों ने भाग लिया. प्रधानाचार्य डॉ मिश्र ने कहा कि महात्मा गांधी ने हमें स्वच्छता का जो पाठ पढ़ाया, उसकी सार्थकता आज और बढ़ गयी है. जनसंख्या का बढ़ता दवाब, अंधाधुंध वृक्षों की कटाई आदि के कारण वातावरण तेजी से प्रदूषित हो रहा है. यह प्रवृति मानव जाति के लिए खतरा बनती जा रही है. इसे हम नियमित साफ-सफाई एवं पौधारोपण से ही दूर कर सकते हैं. मौके पर डॉ राज किशोर झा, डॉ हरेराम झा, डॉ चतुरानन झा, डॉ ललन झा, बिंदु पाठक, भरत कुमार, सैफुल्लाह अंसारी, जगदीश चौधरी, नुरूल्लाह अंसारी मौजूद थे.

प्रभात खबर 7 अगस्त 2022

मुजफ्फरपुर 07.08.

कैंपस

प्रेमचंद ने अपनी रचनाओं के माध्यम से सांप्रदायिकता पर की चोट

संगोष्ठी

प्रतिनिधि, दरभंगा.

महाराज महेश ठाकुर मिथिला महाविद्यालय में हिंदी विभाग की ओर से 'हमारा समय और प्रेमचंद' विषय पर शनिवार को संगोष्ठी का आयोजन किया गया. संगोष्ठी की अध्यक्षता लनामिवि के पीजी हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. अजीत कुमार वर्मा ने की. इससे पूर्व डॉ वर्मा समेत पीजी हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. चंद्रभानु प्रसाद सिंह, डॉ सतीश कुमार सिंह व प्रधानाचार्य डॉ उदयकांत मिश्रा ने दीप जलाकर कार्यक्रम का उदघाटन किया. मुख्य वक्ता प्रो. चंद्रभानु प्रसाद सिंह ने कहा कि प्रेमचंद की रचना में मजदूरों, किसानों एवं मध्यम वर्ग की समस्याओं को प्रमुखता से स्थान मिला है. प्रेमचंद ने अपनी रचनाओं में तत्कालीन सामंतवादी सोच से उत्पन्न कृषकों की दारुण परिस्थिति को प्रमुखता से दर्शाया है. कहा कि प्रेमचंद की रचनाओं में गंगा-जमुनी तहजीब की झलक मिलती है. साथ ही प्रेमचंद ने अपनी रचनाओं के माध्यम से सांप्रदायिकता पर गहरी चोट की है.

- सामंतवादी सोच से उत्पन्न कृषकों की दारुण परिस्थिति को प्रमुखता से दर्शाया
- प्रेमचंद की रचनाओं में मजदूरों, किसानों एवं मध्यम वर्ग की समस्याओं को मिला प्रमुखता से स्थान : प्रो. चंद्रभानु
- एमएमटीएम कॉलेज में हमारा समय और प्रेमचंद विषय पर संगोष्ठी

उदघाटन करते पीजी हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ अजीत कुमार वर्मा, प्रो. चंद्रभानु प्रसाद सिंह, डॉ सतीश कुमार सिंह व प्रधानाचार्य डॉ उदयकांत मिश्रा.

प्रेमचंद की रचनाएं आज भी प्रासंगिक : डॉ सतीश

एमएलएसएम कॉलेज के प्राध्यापक डॉ सतीश कुमार सिंह ने कहा कि प्रेमचंद की रचना गोदान, निर्मला, सेवा-सदन आज भी प्रासंगिक हैं. उन्होंने प्रेमचंद की रचनाओं में नारी की दमदार उपस्थिति को रेखांकित किया. कहा कि आज के संदर्भ में भी प्रेमचंद की रचनायें शतप्रतिशत खड़ी उतर रही है. डॉ बैद्यनाथ चौधरी ने सांप्रदायिकता पर चोट, गरीबी एवं बेरोजगारी से प्रेमचंद का जोड़ा.

प्रेमचंद के साहित्य के बिना हिंदी साहित्य अधूरा : डॉ वर्मा

अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. अजीत वर्मा ने प्रेमचंद की रचना को अमरकृति बताया. कहा कि प्रेमचंद की साहित्य के बिना हिंदी साहित्य अधूरा है. उनकी सभी रचनायें वर्तमान समय में भी सार्थक हैं. प्रेमचंद की रचनाओं को सामाजिक फरेब पर चोट करने वाला बताया. उद्घाटन सत्र में स्वागत डॉ राजकिशोर झा, संचालन हिंदी विभाग के अध्यक्ष श्याम भास्कर एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रधानाचार्य डॉ उदय कांत मिश्र ने किया. तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो. चन्द्रभानु प्रसाद सिंह ने की. इस सत्र में श्रीराम कलित झा, दुर्गा कुमारी, जानकी कुमारी, ज्योति कुमारी, डॉ महेश ठाकुर, डॉ सतीश कुमार, सरोज वरनवाल, डॉ भागीरथ चौधरी आदि ने आलेख प्रस्तुत किये. मौके पर डॉ हरेराम झा, जटा शंकर चौधरी, हरिकिशोर चौधरी, डॉ अशोक कुमार झा, डॉ चंद्रशेखर झा, आशुतोष कुमार सहित शिक्षाकर्मी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे.

प्रभात खबर 6 अगस्त 2022

हमारा समय और प्रेमचंद विषय पर संगोष्ठी आज

दरभंगा. महाराज महेश ठाकुर मिथिला महाविद्यालय में कल छह अगस्त को हिंदी विभाग के तत्वावधान में 'हमारा समय और प्रेमचंद' विषय पर संगोष्ठी होगी. आयोजन सचिव प्रो. श्याम भास्कर ने बताया कि संगोष्ठी के मुख्य वक्ता लनामिवि के पीजी हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. चंद्रभानु प्रसाद सिंह होंगे. पीजी विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ अजीत कुमार वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित संगोष्ठी में एमएलएसएम कालेज के प्राध्यापक डॉ सतीश कुमार सिंह भी व्याख्यान देंगे. प्रधानाचार्य डॉ उदयकांत मिश्र ने बताया कि आयोजन को लेकर सभी तैयारी पूरी कर ली गयी है.

युवा

हिन्दुस्तान 8 अगस्त 2022

प्रेमचंद की रचनाएं आज भी हैं प्रासंगिकः सतीश

संगोष्ठी

दरभंगा, एक प्रतिनिधि। लनामि विवि के पीजी हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. चंद्रभानु प्रसाद सिंह ने कहा कि प्रेमचन्द की रचना में मजदूरों, किसानों एवं मध्यम वर्ग की समस्याओं को रेखांकित किया गया है। उनकी रचनाओं में गंगा-जमुनी तहजीब की महत्ता पर प्रकाश डाला गया है। साथ ही उनकी रचनाओं में साम्प्रदायिकता पर चोट की गयी है।

ये बातें उन्होंने महाराज महेश ठाकुर मिथिला कॉलेज के हिन्दी विभाग की ओर से 'हमारा समय और प्रेमचंद' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में कही। अध्यक्षता लनामिवि के पीजी हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. अजीत कुमार वर्मा ने की। इससे पूर्व डॉ. वर्मा समेत पीजी हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. चंद्रभानु प्रसाद सिंह, डॉ. सतीश कुमार सिंह व प्रधानाचार्य डॉ. उदयकांत मिश्रा ने दीप जलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। एमएलएसएम कॉलेज के प्राध्यापक डॉ. सतीश कुमार सिंह ने कहा कि प्रेमचंद की रचनाएं आज भी प्रासंगिक हैं।

वहीं डॉ. बैद्यनाथ चौधरी ने सांप्रदायिकता पर चोट, गरीबी एवं बेरोजगारी से प्रेमचंद का जोड़ा। प्रो. अजीत वर्मा ने प्रेमचंद की रचनाओं को अमर कृति बताया। कहा कि प्रेमचंद की साहित्य के बिना हिन्दी साहित्य अधूरा है। स्वागत डॉ. राजकिशोर झा, संचालन हिन्दी विभाग के अध्यक्ष श्याम भास्कर एवं धन्यवाद ज्ञापन प्राचार्य डॉ. उदय कांत मिश्र ने किया। तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो. चन्द्रभानु प्रसाद सिंह ने की। इस सत्र में श्रीराम कलित झा, दुर्गा कुमारी, जानकी कुमारी, ज्योति कुमारी, डॉ. महेश ठाकुर, डॉ. सतीश कुमार, सरोज वरनवाल, डॉ. भागीरथ चौधरी आदि ने आलेख प्रस्तुत किये। मौके पर डॉ. हरेराम झा, जटाशंकर चौधरी, हरिकिशोर चौधरी, डॉ. अशोक कुमार झा, डॉ. चंद्रशेखर झा, आशुतोष कुमार आदि थे।

दैनिक जागरण 8 अगस्त 2022

प्रेमचंद ने मध्यम वर्ग की समस्याओं को रचनाओं में किया रेखांकित : प्रो. चंद्रभानु

महाराज महेश ठाकुर मिथिला महाविद्यालय में संगोष्ठी का उद्घाटन करते अतिथि • जागरण

जासं, दरभंगा : महाराज महेश ठाकुर मिथिला महाविद्यालय के हिंदी विभाग की ओर से हमारा समय और प्रेमचंद विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। दो सत्र में आयोजित संगोष्ठी एवं तकनीकी सत्र की अध्यक्षता मिथिला विवि के पीजी हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. अजीत कुमार वर्मा ने की। मुख्य वक्ता प्रो. चंद्रभानु प्रसाद सिंह ने कहा कि प्रेमचंद की रचना में मजदूरों, किसानों एवं मध्यम वर्ग की समस्याओं को रेखांकित किया गया है। प्रेमचंद की रचनाओं में तत्कालीन सामंतवादी सोच के कारण कृषकों की परिस्थिति को दर्शाया गया है। कहा कि प्रेमचंद की रचनाओं में गंगा-जमुनी तहजीब की महत्ता पर प्रकाश डाला गया है। एमएलएसएम कालेज के प्राध्यापक डा. सतीश कुमार सिंह ने कहा कि प्रेमचंद की रचना गोदान, निर्मला, सेवा-सदन आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने प्रेमचंद की रचनाओं में नारी की दमदार उपस्थिति को रेखांकित किया। कहा कि आज के संदर्भ में भी प्रेमचंद की रचनाएं शत-प्रतिशत उतर रही हैं। डा. बैद्यनाथ चौधरी ने सांप्रदायिकता पर चोट, गरीबी एवं बेरोजगारी से प्रेमचंद का जोड़ा। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. अजीत वर्मा ने प्रेमचंद की रचना को अमरकृति बताया। उदघाटन सत्र में स्वागत डा. राजकिशोर झा, संचालन हिंदी विभाग के अध्यक्ष श्याम भास्कर एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रधानाचार्य डा. उदय कांत मिश्र ने किया। तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो. चंद्रभानु प्रसाद सिंह ने की। इस सत्र में श्रीराम कलित झा, दुर्गा कुमारी, जानकी कुमारी, ज्योति कुमारी, डा महेश ठाकुर, डा सतीश कुमार, सरोज वरनवाल, डा भागीरथ चौधरी आदि ने आलेख प्रस्तुत किए।

... सतीष झा, मो. नौशाद ... सुनील कुमार चौधरी आदि शामिल थे.

भारतीय राजनीति और वाजपेयी विषय पर संगोष्ठी कल

दरभंगा. महाराज महेश ठाकुर मिथिला महाविद्यालय में 16 अगस्त को राजनीति शास्त्र विभाग एवं विद्यापति सेवा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में 'भारतीय राजनीति और वाजपेयी' विषय पर संगोष्ठी होगी. पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर आयोजित हो रही संगोष्ठी सुबह 10 बजे प्रारंभ होगी. संगोष्ठी में कुलपति प्रो. एसपी सिंह, प्रो. जीतेन्द्र नारायण, प्रो.मुनेश्वर यादव आदि विचार रखेंगे. प्रधानाचार्य डॉ उदय कांत मिश्र ने यह जानकारी दी है.

हनुमान चालीसा के सामूहिक पाठ से गूंज उठा मनोकामना मंदिर परिसर

पूर्व प्रधानमंत्री की पुण्यतिथि पर एमएमटीएम कॉलेज में संगोष्ठी

'अनुकरणीय है अटल जी का राजनीतिक जीवन'

दरभंगा, एक प्रतिनिधि। लनामिवि के कुलपति प्रो. सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयीजी का राजनीतिक जीवन अनुकरणीय है। इसका अनुसरण करना राजनीतिज्ञों के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकता है।

वे मंगलवार को एमएमटीएम कॉलेज के राजनीति विज्ञान विभाग एवं विद्यापति सेवा संस्थान की ओर से 'भारतीय राजनीति और बाजपेयी' विषय पर आयोजित संगोष्ठी के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। संगोष्ठी का आयोजन पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर किया गया था। कुलपति ने बाजपेयी की लिखी कविता 'काल के कपाल पर लिखता-मिटाता हूं, गीत नये गाता हूं' की चर्चा की।

मुख्य वक्ता लनामिवि के सामाजिक विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. जितेंद्र नारायण ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेई राजनीतिक दलों से संबंधित वाद-विवाद में हिस्सा लेना पसंद करते थे। उन्होंने कभी मूल्यों से समझौता नहीं किया। पीजी विभाग के प्राध्यापक प्रो. मुनेश्वर यादव ने कहा कि बाजपेयी जी के राजनीतिक जीवन में कई उतार-चढ़ाव देखे। उन्होंने जिस भारत का सपना देखा था, वह आज देखने को नहीं मिल रहा है। अपने कार्यकाल में पाकिस्तान और चीन से संबंध सुधार के लिए अभूतपूर्व कदम उठाया। कारगिल युद्ध विजय, पोखरण परमाणु परीक्षण आदि उनके समय का मुख्य योगदान रहा। विद्यापति सेवा संस्थान महासचिव डॉ. बैद्यनाथ चौधरी ने स्वागत करते हुए कहा कि मिथिला-मैथिली के विकास में वाजपेयी जी का अहम योगदान रहा। मैथिली को अष्टम अनुसूची में सम्मिलित कर उन्होंने करोड़ों मिथिलावासियों को सम्मानित किया। ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर के निर्माण से मिथिला क्षेत्र को जोड़ने का काम किया। डॉ. चौधरी ने घोषणा की कि बाजपेयी जी की स्मृति में अभिनंदन ग्रंथ का प्रकाशन होगा।

एमएमटीएस कॉलेज में संगोष्ठी में मंगलवार को उपस्थित कुलपति व अन्य।

- अटल जी ने मूल्यों से नहीं किया समझौता
- अभिनंदन ग्रंथ का किया जाएगा प्रकाशन

विधायक डॉ. मुरारी मोहन झा ने कहा कि अटल बिहारी का राजनीतिक जीवन सभी राजनेताओं और आमजन के लिए अनुकरणीय है। हम सभी को उनके बताए मार्ग पर चलना चाहिए। कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विवि के पूर्व कुलपति डॉ. देवनारायण झा ने संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए कहा कि राजा वह होता है जो प्रजा का पालन करे। जहां मर्यादा समाप्त हो जाती है वहीं पश्चाताप होता है। जहां विद्या की रक्षा होती है वही राजा सही होता है। संगोष्ठी में डॉ.उदयशंकर मिश्र, डॉ. राम सुभग चौधरी, डॉ. बुचरू पासवान, डॉ. राजकिशोर झा, टुनटुन प्रसाद राय, सियाराम झा, कुमारी रत्ना झा, चंद्रशेखर झा आदि ने विचार रखे। संचालन श्याम भास्कर एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रधानाचार्य डॉ. उदय कांत मिश्र ने किया। मौके पर हरि किशोर चौधरी, अंजनि कुमार चौधरी, पं. विनोद कुमार झा, डॉ. हरेराम झा, शंभू नाथ चौधरी, डॉ. सुमन कुमार झा, आशुतोष कुमार झा, चंद्र मोहन झा, भरत कुमार मिश्र आदि उपस्थित थे।

कैंपस

अटल बिहारी वाजपेयी का राजनीतिक जीवन अनुकरणीय : वीसी

कार्यक्रम

- एमएमटीएम कॉलेज में भारतीय राजनीति और वाजपेयी पर संगोष्ठी

प्रतिनिधि, दरभंगा.

लनामिवि के कुलपति प्रो. सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी का राजनीतिक जीवन अनुकरणीय है. इसका अनुसरण करना राजनीतिज्ञों के लिये लाभकारी सिद्ध हो सकता है. वे मंगलवार को एमएमटीएम कालेज में राजनीति विज्ञान विभाग एवं विद्यापति सेवा संस्थान की ओर से 'भारतीय राजनीति और वाजपेयी' विषय पर आयोजित संगोष्ठी के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे. आयोजन पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर किया गया था. कुलपति ने कहा कि वाजपेयी जी को नजदीक से जानने का सौभाग्य उन्हें लखनऊ चुनाव में मिला था. वाजपेयी लिखित कविता 'काल के कपाल पर लिखता मिटाता हूं, गीत नये गाता हूं... कि चर्चा की.

मंचासीन कुलपति प्रो. एसपी सिंह, पूर्व कुलपति डॉ देवनारायण झा, पीजी राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. जितेंद्र नारायण व अन्य.

पीजी भौतिकी विभाग में आंतरिक परीक्षा 24 से

दरभंगा. लनामिवि के पीजी भौतिकी विभाग में नामांकित प्रथम सेमेस्टर सत्र 2021-23 के छात्र-छात्राओं की प्रथम आंतरिक परीक्षा 24 से 26 अगस्त तक विभाग में दिन के 11 से 12 बजे तथा 12.30 से 01 30 बजे तक दो पालियों में संचालित होगी. विभागाध्यक्ष प्रो. अरुण कुमार सिंह के अनुसार जानकारी विभाग के सूचना पट्ट पर दी जा चुकी है.

वाजपेयी ने नहीं किया कभी मूल्यों से समझौता : जीतेंद्र नारायण

मुख्य वक्ता सह लनामिवि के सामाजिक विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. जितेंद्र नारायण ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी राजनीतिक दलों से संबंधित वाद विवाद में हिस्सा लेना पसंद कर थे. भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान उनकी श्यामा प्रसाद मुखर्जी से मुलाकात हुई. उनके आग्रह पर भारतीय जनसंघ में वे सम्मिलित हुए. कहा कि वाजपेयी ने कभी मूल्यों से समझौता नहीं किया. प्रो. मुनेश्वर यादव ने कहा कि वाजपेयी जी के राजनीतिक जीवन में कई उतार-चढ़ाव रहा. उन्होंने जिस भारत का सपना देखा था, वह आज देखने को नहीं मिल रहा है. पक्ष-विपक्ष सभी उनका सम्मान करते थे. कारगिल युद्ध विजय, पोखरण परमाणु परीक्षण आदि उनके समय का मुख्य योगदान रहा.

राजा वह होता है, जो प्रजा का पालन करे : डॉ देवनारायण

संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ देवनारायण झा ने संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए कहा कि राजा वह होता है, जो प्रजा का पालन करे. जहां विद्या की रक्षा होती है, वही राजा सही होता है. संगोष्ठी में डॉ उदयशंकर मिश्र, डॉ राम सुभग चौधरी, डॉ बुचरू पासवान, डॉ राजकिशोर झा, टुनटुन प्रसाद राय, सियाराम झा, कुमारी रत्ना झा, चंद्रशेखर झा आदि ने भी विचार रखा. इससे पूर्व वाजपेयीजी के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की गयी. अतिथियों का सम्मान पाग, चादर, माला आदि से किया गया. स्वस्तिवाचन पंडित ललन झा ने किया. सुधाकांत ने वाजपेयी जी पर कविता पाठ किया. संचालन श्याम भास्कर एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रधानाचार्य डॉ उदय कांत मिश्र ने किया. मौके पर हरि किशोर चौधरी, अंजनि कुमार चौधरी, विनोद कुमार झा, डॉ हरेराम झा, शंभू नाथ चौधरी, डॉ सुमन कुमार झा, आशुतोष कुमार झा, चंद्र मोहन झा, भरत कुमार मिश्र आदि उपस्थित थे.

मिथिला-मैथिली के विकास में वाजपेयी जी का अहम योगदान : डॉ बैजू

विद्यापति सेवा संस्थान के महासचिव डॉ बैद्यनाथ चौधरी बैजू ने स्वागत करते हुए कहा कि मिथिला-मैथिली के विकास में वाजपेयीजी का अहम योगदान रहा. मैथिली को अष्टम अनुसूची में सम्मिलित कर उन्होंने करोड़ों मिथिलावासियों को सम्मानित किया. ईस्ट वेस्ट कॉरिडोर निर्माण से मिथिला क्षेत्र को जोड़ने का काम किया. डॉ चौधरी ने कहा कि उनकी स्मृति में अभिनंदन ग्रंथ का प्रकाशन किया जाएगा. इसके लिए उन्होंने कुलपति को मुख्य संरक्षक, संस्कृत विवि के पूर्व कुलपति डॉ देवनारायण झा को संयोजक एवं संस्कृत विवि के कुलपति प्रो. शशिनाथ झा, प्रो. जितेंद्र नारायण, प्रो. मुनेश्वर यादव को अभिनंदन ग्रंथ समिति सदस्य घोषित किया. विधायक डॉ मुरारी मोहन झा ने कहा कि अटल बिहारी का राजनीतिक जीवन सभी राजनेताओं और आमजन के लिए अनुकरणीय है.

काल के कपाल पर लिखता मिटाता हूं, गीत नया गाता हूं...

जासं, दरभंगा : ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के अधीन एमएमटीएम कालेज में मंगलवार को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर राजनीति विज्ञान विभाग एवं विद्यापति सेवा संस्थान की ओर से भारतीय राजनीति और बाजपेयी विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी का राजनीतिक जीवन अनुकरणीय है। इसका अनुसरण करना राजनीतिज्ञों के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकता है। कुलपति ने कहा कि बाजपेयी को नजदीक से जानने का सौभाग्य उन्हें लखनऊ चुनाव में मिला था। कुलपति ने बाजपेयी की लिखी कविता ' काल के कपाल पर लिखता मिटाता हूं, गीत नया गाता हूं... कि चर्चा की। कहा कि इसमें बाजपेयी जी का कहना था कि सरकारें आयेगी-जायेगी, देश रहना चाहिए।

एमएमटीएम कालेज में आयोजित संगोष्ठी में मंचासिन कुलपति प्रो. एसपी सिंह(बाएं से चौथे) संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डा. देवनारायण झा व अन्य अतिथि • जागरण

संगोष्ठी में मुख्य वक्ता विवि सामाजिक विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. जितेंद्र नारायण ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी राजनीतिक दलों से संबंधित वाद विवाद में हिस्सा लेना पसंद कर थे। जब भारत छोड़ो आंदोलन जोर शोर से चल रहा था उसी समय श्यामा प्रसाद मुखर्जी से उन्हें मुलाकात हुई और उनके आग्रह पर भारतीय जनसंघ पार्टी में वे सम्मिलित हुए। उन्होंने कभी मूल्यों से समझौता नहीं किया। पीजी विभाग के प्राध्यापक प्रो. मुनेश्वर यादव ने कहा कि बाजपेयी जी के राजनीतिक जीवन में कई उतार-चढ़ाव देखे।

विद्यापति सेवा संस्थान के महासचिव डा. बैद्यनाथ चौधरी बैजू ने कहा कि मिथिला मैथिली के विकास में भारत रत्न बाजपेयी का अहम योगदान रहा। मैथिली को अष्टम अनुसूची में सम्मिलित कर उन्होंने करोड़ों मिथिलावासियों को सम्मानित किया। ईस्ट वेस्ट कारिडोर के निर्माण से मिथिला क्षेत्र को जोड़ने का काम किया। इस दौरान बैद्यनाथ चौधरी बैजू ने घोषणा किया कि बाजपेयी जी की स्मृति में एक अभिनंदन ग्रंथ का प्रकाशन किया जाएगा। विधायक डा. मुरारी मोहन झा ने कहा कि अटल बिहारी का राजनीतिक जीवन सभी राजनेताओं और आमजन के लिए अनुकरणीय है। हम सभी को उनके बताए मार्ग पर चलना चाहिए। कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. देवनारायण झा ने संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए कहा कि राजा वह होता है जो प्रजा का पालन करे। जहां मर्यादा समाप्त हो जाती है वही पश्चाताप होता है। जहां विद्या की रक्षा होती है वही राजा सही होता है। संगोष्ठी में डा. उदयशंकर मिश्र, डा. राम सुभग चौधरी, डा. बुचरू पासवान, डा. राजकिशोर झा आदि मौजूद थे।

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में वेदों का वैज्ञानिक तत्व विवेचन विषय पर संगोष्ठी आज

प्रतिनिधि, दरभंगा.

एमएमटीएस कॉलेज के संस्कृत विभाग की ओर से कल 23 अगस्त को 'वर्तमान परिप्रेक्ष्य में वेदों का वैज्ञानिक तत्व-विवेचन' विषय पर संगोष्ठी होगी. उद्घाटन कुलपति प्रो. सुरेंद्र प्रताप सिंह करेंगे. अध्यक्षता संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. देव नारायण झा करेंगे. मुख्य वक्ता संस्कृत विवि के प्रो. विदेश्वर झा, विशिष्ट वक्ता प्रो. विनय कुमार मिश्र, प्रो. उपेन्द्र झा वैदिक होंगे. प्रधानाचार्य डॉ उदय कांत मिश्र ने बताया कि संगोष्ठी की तैयारी पूरी कर ली गई है.

प्रभात खबर -24/8/2022

कैंपस प्रभात

र्ग में नामांकित शोधार्थियों की परीक्षा 28 अगस्त को | मिथिला विवि : डब्ल्यूआइटी में नामांकन को ऑनलाइन अ

'वर्तमान परिप्रेक्ष्ये वेदानांग वैज्ञानिक तत्व विवेचनम' पर संगोष्ठी

वेदों को जानने के लिए मीमांसा एवं वेदांत का अध्ययन आवश्यक

आयोजन

प्रतिनिधि, दरभंगा

मंचासीन पूर्व कुलपति प्रो. देव नारायण झा, पं. उपेंद्र झा वैदिक, वैद्यनाथ चौधरी व अन्य.

एमएमटीएम कॉलेज में संस्कृत विभाग की ओर से मंगलवार को 'वर्तमान परिप्रेक्ष्ये वेदानांग वैज्ञानिक तत्व विवेचनम' विषय पर संगोष्ठी हुई. कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. देव नारायण झा ने कहा कि वेद का सामान्य अर्थ ज्ञान होता है, जबकि विज्ञान का संबंध विशिष्ट ज्ञान से है. वेद शब्द व्यापक है. इसका कई अर्थ होता है. यह ज्ञान का खजाना है. कहा कि स्त्रियों को भी सामान्य रूप से अर्थ सहित सस्वर वेदों का पाठ करना चाहिए. इससे कल्याण होता है. कहा कि सभी वेदों को जानने के लिए मीमांसा एवं वेदांत का अध्ययन आवश्यक है. पूर्व कुलपति प्रो. उपेंद्र झा वैदिक ने कहा कि संपूर्ण सृष्टि का आधार वेद है. वेद अविनाशी है. इसका सही उच्चारण और अर्थ जानकर पाठ करने से कल्याण होता है. पीजी वेद विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. विदेश्वर झा ने कहा कि वेद को हम जिंदा नहीं रख सकते हैं, परंतु वेद हमें जिंदा रखता है. इसलिये वेद की महत्ता स्वयं सिद्ध है.

वैदिक विज्ञान की ओर अभिमुख हो रहा आधुनिक विज्ञान : प्रो. विनय

पीजी वेद विभागाध्यक्ष प्रो. विनय कुमार मिश्र ने कहा कि आधुनिक विज्ञान को वैदिक बिज्ञान की ओर अभिमुख होना पड़ा है. वेद में पालन करने की क्षमता है. लनामिवि के पीजी संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. जीवानंद झा ने कहा कि सूर्य राशि से विभिन्न रोगों का सफल इलाज होता है. डॉ कृष्ण कांत झा ने कहा कि हर पर्व-त्योहार की तिथि की गणना वेदों के अनुसार होती है. इसका वैज्ञानिक महत्व है.

वैदिक विज्ञान के बिना मानव जीवन अधूरा : प्रो. जयशंकर

प्रो. जयशंकर झा ने कहा कि हमारे जीवन में वेदों का महत्वपूर्ण स्थान है. वैदिक विज्ञान के बिना मानव जीवन अधूरा है. संगोष्ठी में डॉ मित्र नाथ झा, डॉ राज किशोर झा, चंद्रशेखर झा, मिथिलेश कुमार मिश्र, डॉ सोमेश्वर नाथ दधीचि आदि ने पत्रवाचन किया. इससे पहले दीप प्रज्वलित कर संगोष्ठी का उद्घाटन किया गया. पंडित ललन झा एवं अतुल कुमार झा के स्वस्तिवाचन से संगोष्ठी की शुरुआत की गई. अतिथियों का स्वागत कालेज के संस्थापक सचिव डॉ वैद्यनाथ चौधरी ने किया. विषय प्रवेश कॉलेज के संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ हरे राम झा ने किया. संचालन श्याम भास्कर कर रहे थे. धन्यवाद ज्ञापन प्रधानाचार्य डॉ उदय कांत मिश्र ने किया. मौके पर डॉ श्वेता कुमारी, परमानंद झा, भागीरथ चौधरी, चंद्र मोहन झा, अशोक कुमार झा, हरिकिशोर चौधरी, प्रतिभा चौधरी आदि मौजूद थे.

आज 24/8/22 दरभंगा-समस्तीपुर-

वेदों को जानने के लिए मीमांसा आवश्यक है : प्रो. झा

एमएमटीएम कॉलेज में वर्तमान परिप्रेक्ष्ये वेदानांग वैज्ञानिक तत्व विवेचनम विषय पर संगोष्ठी आयोजित

दरभंगा (आससे)। एमएमटीएम कॉलेज में संस्कृत विभाग की ओर से वर्तमान परिप्रेक्ष्ये वेदानांग वैज्ञानिक तत्व विवेचनम% विषय पर संगोष्ठी हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये संस्कृत विश्वविद्यालय के मूर्व कुलपति प्रो देवनारायण झा ने कहा कि वेद का सामान्य अर्थ ज्ञान होता है, जबकि विज्ञान का संबंध विशिष्ट ज्ञान से होता है। वेद शब्द व्यापक है, इसका कई अर्थ होता है की यह ज्ञान का खजाना है। यहा कि स्त्रियों को भी सामान्य रूप से अर्थ सहित सस्वर वेदों का पाठ करना चाहिए। इससे कल्याण होता है।श्री झा ने कहा कि सभी वेदों को जानने के लिए मीमांसा एवं वेदांत का अध्ययन आवश्यक है। पूर्व कुलपति प्रो. उपेंद्र झा वैदिक ने कहा कि संपूर्ण सृष्टि का आधार वेद है। वेद अविनाशी है, इसका सही उच्चारण और अर्थ जानकर पाठ करने से कल्याण होता है। प्रो विदेश्वर झा ने कहा कि वेद को हम ज़िंदा नहीं

रख सकते हैं, परंतु वेद हमें जिंदा रखता है। इसलिये वेद की महत्ता स्वयं सिद्ध है। प्रो. विनय कुमार मिश्र ने कहा कि आधुनिक विज्ञान को वैदिक विज्ञान की ओर अभिमुख होना पड़ा है। प्रो जीवानंद झा ने कहा कि सूर्य राशि से विभिन्न रोगों का सफल इलाज होता है। डॉ कृष्ण कांत झा ने कहा कि हर एक पर्व-त्योहार की तिथि की गणना वेदों के अनुसार होती है। प्रो. जयशंकर झा ने कहा कि हमारे जीवन में वेदों का महत्वपूर्ण स्थान है। वैदिक विज्ञान के बिना मानव जीवन अधूरा है। संगोष्ठी में डॉ मित्र नाथ झा, डॉ राज किशोर झा, चंद्रशेखर झा, मिथिलेश कुमार मिश्र, डॉ सोमेश्वर नाथ दधीचि शामिल थे. इससे पहले दीप प्रज्वलित कर संगोष्ठी का उद्घाटन किया गया. पंडित ललन झा एवं अतुल कुमार झा के स्वस्तिवाचन से संगोष्ठी की शुरुआत की गई। अतिथियों का स्वागत कालेज के संस्थापक सचिव डॉ वैद्यनाथ चौधरी ने किया। विषय प्रवेश डॉ हरे राम झा ने किया। संचालन श्याम भास्कर व धन्यवाद ज्ञापन प्रधानाचार्य डॉ उदय कांत मिश्र ने किया। इस अवसर पर डॉ श्वेता कुमारी, परमानंद झा, भागीरथ चौधरी, चंद्र मोहन झा, अशोक कुमार झा, हरिकिशोर चौधरी, प्रतिभा चौधरी आदि मौजूद थे।

दैनिक जागरण - 24/08/2022 -

वेद ज्ञान का खजाना : पूर्व कुलपति

जासं, दरभंगा : एमएमटीएम कालेज में संस्कृत विभाग की ओर से मंगलवार को ' वर्तमान परिप्रेक्ष्ये वेदानांग वैज्ञानिक तत्व विवेचनम ' विषय पर संगोष्ठी हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. देव नारायण झा ने कहा कि वेद का सामान्य अर्थ ज्ञान होता है, जबकि विज्ञान का संबंध विशिष्ट ज्ञान से होता है। वेद शब्द व्यापक है।

एमएमटीएम कालेज में आयोजित संगोष्ठी में मंचासीन अतिथि ● जागरण

इसका कई अर्थ होता है। यह ज्ञान का खजाना है। कहा कि स्त्रियों को भी सामान्य रूप से अर्थ सहित सस्वर वेदों का पाठ करना चाहिए। इससे कल्याण होता है। सभी वेदों को जानने के लिए मीमांसा एवं वेदांत का अध्ययन आवश्यक है। पूर्व कुलपति प्रो. उपेंद्र झा वैदिक ने कहा कि संपूर्ण सृष्टि का आधार वेद है। वेद अविनाशी है। इसका सही उच्चारण और अर्थ जानकर पाठ करने से कल्याण होता है। संस्कृत विश्वविद्यालय के पीजी वेद विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. विदेश्वर झा ने कहा कि वेद को हम जिंदा नहीं रख सकते हैं, परंतु वेद हमें जिंदा रखता है। इसलिए वेद की महत्ता स्वयं सिद्ध है। पीजी वेद विभागाध्यक्ष प्रो. विनय कुमार मिश्र ने कहा कि आधुनिक विज्ञान को वैदिक विज्ञान की ओर अभिमुख होना पड़ा है। वेद में पालन करने की क्षमता है। ललामिवि के पीजी संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. जीवानंद झा ने कहा कि सूर्य राशि से विभिन्न रोगों का सफल इलाज होता है। एमएलएस कालेज सरिवसपाही के संस्कृत विभागाध्यक्ष डा. कृष्ण कांत झा ने कहा कि हर एक पर्व-त्योहार की तिथि की गणना वेदों के अनुसार होती है।

जीवन में वेदों का महत्वपूर्ण स्थान : पीजी संस्कृत विभाग के सेवानिवृत्त प्राध्यापक प्रो. जयशंकर झा ने कहा कि हमारे जीवन में वेदों का महत्वपूर्ण स्थान है। वैदिक विज्ञान के बिना मानव जीवन अधूरा है।

वर्तमान परिप्रेक्ष्ये वेदानांग वैज्ञानिक तत्व विवेचनम विषय पर संगोष्ठी आयोजित, कहा-वेद के उच्चारण से होता कल्याण

संगोष्ठी में डा. मित्र नाथ झा, डा. राज किशोर झा, चंद्रशेखर झा, मिथिलेश कुमार मिश्र, डा. सोमेश्वर नाथ दधीचि भी शामिल थे। पंडित ललन झा एवं अतुल कुमार झा के स्वस्तिवाचन से संगोष्ठी की शुरुआत की गई। अतिथियों का स्वागत कालेज के संस्थापक सचिव डा. बैद्यनाथ चौधरी ने किया। विषय प्रवेश कालेज के संस्कृत विभागाध्यक्ष डा. हरे राम झा एवं संचालन श्याम भास्कर कर रहे थे। धन्यवाद ज्ञापन प्रधानाचार्य डा. उदय कांत मिश्र ने किया। मौके पर डा. श्वेता कुमारी, परमानंद झा, भागीरथ चौधरी, चंद्र मोहन झा, अशोक कुमार झा, हरिकिशोर चौधरी, प्रतिभा चौधरी भी मौजूद थे।

स्त्रियों को भी सामान्य रूप से अर्थ सहित सस्वर वेदों का पाठ करना चाहिए : प्रो. देवनारायणा झा

एमएमटीएम कॉलेज में वर्तमान परिप्रेक्ष्ये में वेदानां वैज्ञानिक तत्व विवेचनम विषय पर संगोष्ठी

एजुकेशन रिपोर्टर | दरभंगा

केएसडीएसयू के पूर्व कुलपति प्रो देवनारायणा झा ने कहा कि वेद का सामान्य अर्थ ज्ञान होता है, जबकि विज्ञान का संबंध विशिष्ट ज्ञान से होता है। वेद शब्द व्यापक है। इसके कई अर्थ होते हैं। यह ज्ञान का एक खजाना है। स्त्रियों को भी सामान्य रूप से अर्थ सहित सस्वर वेदों का पाठ करना चाहिए। इससे कल्याण होता है। सभी वेदों को जानने के लिए मीमांसा एवं वेदांत का अध्ययन आवश्यक है। वे मंगलवार को एमएमटीएम कॉलेज में संस्कृत विभाग की ओर से 'वर्तमान परिप्रेक्ष्ये वेदानां वैज्ञानिक तत्व विवेचनम' विषय पर बोल रहे थे। पूर्व कुलपति प्रो. उपेंद्र झा वैदिक ने कहा कि संपूर्ण सृष्टि का आधार वेद है। संस्कृत विवि के

एमएमटीएम कॉलेज में आयोजित संगोष्ठी में उपस्थित अतिथि।

पीजी वेद विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. विदेश्वर झा ने कहा कि वेद को हम जिंदा नहीं रख सकते हैं, परंतु वेद हमें जिंदा रखता है। इसलिए वेद की महत्ता स्वयं सिद्ध है। पीजी वेद विभागाध्यक्ष प्रो. विनय कुमार मिश्र ने कहा कि आधुनिक विज्ञान को वैदिक विज्ञान की ओर अभिमुख होना पड़ा है। वेद में पालन करने की क्षमता है। एलएनएमयू के पीजी संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. जीवानंद झा ने कहा कि सूर्य से विभिन्न रोगों का सफल इलाज होता है। एमएलएस कॉलेज सरिवसपाही के संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ कृष्ण कांत झा ने कहा कि हर एक पर्व-त्योहार की तिथि की गणना वेदों के अनुसार होती है। पीजी संस्कृत विभाग के सेवानिवृत्त प्राध्यापक प्रो. जयशंकर झा ने कहा कि हमारे जीवन में वेदों का महत्वपूर्ण स्थान है। वैदिक विज्ञान के बिना मानव जीवन अधूरा है। संगोष्ठी में डॉ मित्र नाथ झा, डॉ राज किशोर झा, चंद्रशेखर झा, मिथिलेश कुमार मिश्र, डॉ सोमेश्वर नाथ दधीचि शामिल थे। पंडित ललन झा एवं अतुल कुमार झा के स्वस्तिवाचन से संगोष्ठी की शुरुआत की गई। स्वागत डॉ वैद्यनाथ चौधरी ने किया। विषय प्रवेश डॉ हरे राम झा, संचालन श्याम भास्कर व धन्यवाद ज्ञापन प्राचार्य डॉ. उदय कांत मिश्र ने किया। मौके पर डॉ श्वेता कुमारी, परमानंद झा, भागीरथ चौधरी, चंद्र मोहन झा, अशोक कुमार झा, हरिकिशोर चौधरी, प्रतिभा चौधरी आदि मौजूद थे।

एमएमटीएम कॉलेज दरभंगा मे 'वर्तमान परिप्रेक्ष्ये वेदानांग वैज्ञानिक तत्व विवेचनम' विषय पर संगोष्ठी

वेद कें हम जिंदा नहिं राखि सकैत छी, मुदा वेद हमरा जीवित राखैत अछि

दरभंगा | समदिया

एमएमटीएम कॉलेज दरभंगा मे संस्कृत विभागक दिस सँ मंगल दिन 'वर्तमान परिप्रेक्ष्ये वेदानांग वैज्ञानिक तत्व विवेचनम' विषय पर संगोष्ठी भेल। कार्यक्रमक अध्यक्षता करैत संस्कृत विश्वविद्यालयक पूर्व कुलपति प्रो. देव नारायण झा कहलैथ जे वेदक सामान्य अर्थ ज्ञान होइत अछि, जखनकि विज्ञानक संबंध विशिष्ट ज्ञान सँ होइत अछि। वेद शब्द व्यापक अछि। पूर्व कुलपति प्रो. उपेंद्र झा वैदिक कहला जे संपूर्ण सृष्टिक आधार वेद अछि। वेद अविनाशी अछि। संस्कृत विश्वविद्यालयक पीजी वेद विभागक पूर्व ध्यक्ष प्रो. विदेश्वर झा कहला जे वेद कें हम जिंदा नहिं राखि सकैत छी, मुदा वेद हमरा जीवित राखैत अछि।

अतः वेदक महत्ता स्वयं सिद्ध अछि। पीजी वेद विभागाध्यक्ष प्रो. विनय कुमार मिश्र कहलैथ जे आधुनिक विज्ञान के वैदिक विज्ञान दिस अभिमुख होमय पड़ल अछि। वेद मे पालन करबाक क्षमता अछि। ललनामिवि केर पीजी संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. जीवानंद झा कहलैथ जे सूर्य राशि सँ विभिन्न रोग सभक सफल इलाज होइत अछि। एमएलएस कॉलेज सरिवसपाही केर संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ. कृष्ण

कांत झा कहला जे हर एक पर्व-त्योहारक तिथिक गणना वेद सभक अनुसारें होइत अछि। यथा पितृपक्ष, एकादशी एवं अन्य तिथि सभक निर्धारण ऋतु सभक अनुसार कएल जाइत अछि। पीजी संस्कृत विभागक सेवानिवृत्त प्राध्यापक प्रो. जयशंकर झा कहला जे हमरा जीवन मे वेद सभक महत्वपूर्ण स्थान अछि।

वैदिक विज्ञानक बिना मानव जीवन अधूरा अछि। संगोष्ठी मे डॉ. मित्र नाथ झा, डॉ. राज किशोर झा, चंद्रशेखर झा, मिथिलेश कुमार मिश्र, डॉ. सोमेश्वर नाथ दधीचि शामिल छलाह। एहि सभ सँ पहिने दीप प्रज्वलित कजे संगोष्ठीक उद्घाटन कएल गेल। पंडित ललन झा एवं अतुल कुमार झा केर स्वस्तिवाचन स' संगोष्ठीक शुरुआत कएल गेल। अतिथि सभक स्वागत कालेजक संस्थापक सचिव डॉ. वैद्यनाथ चौधरी कएलैन। विषय प्रवेश कॉलेजक संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ. हरे राम झा कए लैथ। मंच संचालन श्याम भास्कर क' रहल छलाह। धन्यवाद ज्ञापन प्रधानाचार्य डॉ उदय कांत मिश्र कएलैन। मौका पर डॉ. श्वेता कुमारी, परमानंद झा, भागीरथ चौधरी, चंद्र मोहन झा, अशोक कुमार झा, हरिकिशोर चौधरी, प्रतिभा चौधरी आदि गोटे उपस्थित छलैथ।

हिन्दुस्तान - 25/8/2022

महिलाओं को भी करना चाहिए वेद पाठ : प्रो. झा

- एमएमटीएम कॉलेज में संगोष्ठी आयोजित
- वेद में पालन करने की होती है क्षमता

दरभंगा, एक प्रतिनिधि। कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विवि के पूर्व कुलपति प्रो. देव नारायण झा ने कहा कि महिलाओं को भी सामान्य रूप से अर्थ सहित सस्वर वेदों का पाठ करना चाहिए। इससे कल्याण होता है। सभी वेदों को जानने के लिए मीमांसा एवं वेदांत का अध्ययन आवश्यक है।

वे मंगलवार को एमएमटीएम कॉलेज में संस्कृत विभाग की ओर से आयोजित संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। 'वर्तमान परिप्रेक्ष्ये वेदानांग वैज्ञानिक तत्व विवेचनम' विषय पर प्रो. झा ने कहा कि वेद का सामान्य अर्थ ज्ञान होता है, जबकि विज्ञान का संबंध विशिष्ट ज्ञान से होता है। वेद शब्द व्यापक है। इसका कई अर्थ होता है। यह ज्ञान का खजाना है।

पूर्व कुलपति प्रो. उपेंद्र झा वैदिक ने कहा कि संपूर्ण सृष्टि का आधार वेद है। वेद अविनाशी है। इसका सही उच्चारण और अर्थ जानकर पाठ करने से कल्याण होता है। संस्कृत विवि के पीजी वेद विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. विदेश्वर झा ने कहा कि वेद को हम जिंदा नहीं रख सकते हैं, परंतु वेद हमें जिंदा रखता है। पीजी वेद विभागाध्यक्ष प्रो. विनय कुमार मिश्र ने कहा कि वेद में पालन करने की क्षमता है। लनामि विवि के पीजी संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. जीवानंद झा ने कहा कि सूर्य राशि से विभिन्न रोगों का सफल इलाज होता है। एमएलएस कॉलेज, सरिवसपाही के संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ. कृष्णकांत झा ने कहा कि हर एक पर्व-त्योहार की तिथि की गणना वेदों के अनुसार होती है। इसका वैज्ञानिक महत्व है।

पीजी संस्कृत विभाग के सेवानिवृत्त प्राध्यापक प्रो. जयशंकर झा ने कहा कि वैदिक विज्ञान के बिना मानव जीवन अधूरा है। संगोष्ठी में डॉ. मित्रनाथ झा, डॉ. राजकिशोर झा, चंद्रशेखर झा, मिथिलेश कुमार मिश्र व डॉ. सोमेश्वर नाथ दधीचि भी थे। इससे पहले पं. ललन झा एवं अतुल कुमार झा के स्वस्तिवाचन से संगोष्ठी की शुरुआत की गई। अतिथियों का स्वागत कॉलेज के संस्थापक सचिव डॉ. वैद्यनाथ चौधरी ने किया। विषय प्रवेश कॉलेज के संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ. हरेराम झा ने किया। संचालन श्याम भास्कर व धन्यवाद ज्ञापन प्रधानाचार्य डॉ. उदय कांत मिश्र ने किया। मौके पर डॉ. श्वेता कुमारी, परमानंद झा, भागीरथ चौधरी, चंद्र मोहन झा, अशोक कुमार झा, हरिकिशोर चौधरी, प्रतिभा चौधरी आदि मौजूद थे।

एमएमटीएम कॉलेज में मंगलवार को संगोष्ठी में उपस्थित अतिथि। •हिन्दुस्तान